ग्वालियर | शुक्रवार | 3 जुलाई 2026 | वर्ष 31 | अंक 318 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

2 विभाजन के बाद भारत आए लोग शरणार्थी नहीं, संघर्ष योद्धा- भागवत

4 पीएम के विश्वसनीय सलाहकार अमित शाह

9 जून में यूपीआई लेनदेन ने रफ्तार पकड़ी

10 अमेरिका की जीत बेल्जियम का कमबैक

भारत-जापान में बड़े समझौते

पीएम नरेंद्र मोदी ने जापान की पीएम ताकाइची को बताया छोटी बहन

नई दिल्ली, 02 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने गुरुवार को भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने के उद्देश्य से व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की. संयुक्त प्रेस वक्तव्य में दोनों नेताओं ने आर्थिक, रणनीतिक, तकनीकी, ऊर्जा और निवेश सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई.

प्रधानमंत्री मोदी ने सानाए ताकाइची की पहली भारत यात्रा का स्वागत करते हुए उन्हें अपनी छोटी बहन बताया और कहा कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री का भारत में स्वागत करना उनके लिए प्रसन्नता का विषय है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और जापान ने आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त रोडमैप तैयार किया है. इसके अंतर्गत सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैटेरियल्स और महत्वपूर्ण सप्लाई चेन को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में विश्वसनीय साझेदारी और आपसी भरोसा दोनों देशों की सबसे बड़ी ताकत है.

जापान के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होंगे

संयुक्त प्रेस वार्ता में जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपनी सुंदर छोटी बहन कहा और दोनों नेताओं ने भाई-बहन जैसे आत्मीय संबंधों को आगे बढ़ाने की भावना व्यक्त की. उन्होंने कहा कि जापान की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (एफओआईपी) नीति और भारत की महासागर (एमएएचएएसएजीओआर) पहल एक-दूसरे की पूरक हैं. इसी आधार पर दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने का निर्णय लिया है ताकि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा मिल सके. ताकाइची ने कहा कि भारत और जापान एशिया की दो प्रमुख लोकतांत्रिक शक्तियां हैं और दोनों देश कानून आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करते हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की धमकी, दबाव या बल प्रयोग के माध्यम से यथास्थिति बदलने के प्रयासों का दोनों देश मिलकर विरोध करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि अगले वर्ष भारत और जापान के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होंगे. इस अवसर पर दोनों देशों के बीच संस्कृति, पर्यटन, रचनात्मक अर्थव्यवस्था और जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

भारत में 1000 बायोगैस व ऑर्गेनिक खाद संयंत्र लगाने पहल

इंडिया-जापान बायोगैस इनिशिएटिव के तहत भारत में 1000 बायोगैस और ऑर्गेनिक खाद संयंत्र स्थापित किए जाएंगे. इस पहल का उद्देश्य गोबरधन योजना को मजबूती देना, जैविक उर्वरक उत्पादन को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और सतत विकास को प्रोत्साहित करना है. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और जापान ऊर्जा सुरक्षा को साझा प्राथमिकता मानते हैं। इसी दिशा में दोनों देशों ने बैटरी प्रौद्योगिकी, ग्रीन हाइड्रोजन और न्यूक्लियर एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनाई है. इसके अलावा दोनों देशों ने इंडिया-जापान नेक्स्ट जेनरेशन मोबिलिटी पार्टनरशिप फ्रेमवर्क भी शुरू किया है, जिसका उद्देश्य भविष्य की परिवहन तकनीकों और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना है. उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत-जापान की सफल साझेदारी को अब जहाज निर्माण, एविएशन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों तक विस्तारित किया जाएगा। साथ ही कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और प्रतिभा आदान-प्रदान में भी सहयोग बढ़ाने पर दोनों देशों ने सहमति व्यक्त की है. भारत-जापान संयुक्त आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले दस वर्षों में भारत में जापानी निवेश को 10 ट्रिलियन येन (लगभग 5.9 लाख करोड़ रुपये) से अधिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए. उन्होंने दोनों देशों के उद्योग जगत से निवेश और औद्योगिक सहयोग को नई गति देने का आह्वान किया.

चट्टान गिरने से बिहार के सात श्रमिकों की मौत

- 15 से 20 मजदूर काम कर रहे थे
- लापरवाही सिद्ध होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

बेंगलुरु, 02 जुलाई. कर्नाटक के बेंगलुरु दक्षिण तालुक में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में विशाल चट्टान गिरने से बिहार के सात प्रवासी मजदूरों की मौत हो गयी, जबकि कई अन्य घायल हो गये. प्रारंभिक जांच में खुदाई कार्य के दौरान लापरवाही की आशंका जतायी गयी है.

यह हादसा मडापट्टना स्थित कावेरी कंपनी की स्टोन क्रशर इकाई में हुआ, जहां मजदूर खनन कार्य में लगे हुए थे. पुलिस के अनुसार सभी मृतक दिहाड़ी मजदूर थे. खदान के ऊपरी हिस्से से एक विशाल चट्टान टूटकर नीचे आ गिरी, जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. प्रारंभिक जांच के अनुसार दुर्घटना के समय कार्यस्थल से करीब 100 फुट ऊपर नये क्रशर संयंत्र की स्थापना के लिए एक हिताची अर्थमूवर मशीन से खुदाई का कार्य किया जा रहा था.

आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 02 जुलाई. दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गुरुवार को आईएसआई-समर्थित अंतर-राज्यीय आतंकवादी एवं हथियार नेटवर्क से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने बताया कि ये लोग कथित रूप से राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवादी हमले की साजिश रच रहे थे. गिरफ्तार लोगों की पहचान शुभदीप सिंह उर्फ विशाल, गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि, साजन सिंह उर्फ हनी और गगनप्रीत के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान दो विदेशी पिस्तौल, नौ कारतूस और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किये गये.

आतंकवाद पर वैश्विक कानून जल्द लागू करने की मांग

संयुक्त राष्ट्र में भारत की दो टूक

न्यूयॉर्क, 02 जुलाई. भारत ने संयुक्त राष्ट्र से काफी समय से लंबित अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर समग्र संधि (सीसीआईटी) को जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। भारत ने चेतावनी देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ किसी वैश्विक कानूनी ढांचे का न होना पूरी दुनिया की लड़ाई को कमजोर कर रहा है, जिससे आतंकवादी और उनके मददगार कानून के शिकंजे से बच निकलते हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा में बुधवार को वैश्विक आतंकवाद विरोधी रणनीति (जीसीटीएस) की नौवीं समीक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाने की अपील की. उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने साल 1996 में ही इस कानून का प्रस्ताव रखा था, जिसे अब पूरा करने का समय आ गया है. राजदूत ने कहा, एक साझा कानूनी ढांचा न होने की वजह से आतंकवाद के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई पंगु हो रही है.

एक नजर में

विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 30 जुलाई को

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने गुरुवार को बिहार, गुजरात विधानसभा की तीन रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव 30 जुलाई को कराने की घोषणा की. इनमें बिहार की बांकीपुर और गुजरात की मंजलपुर सीट शामिल है. चुनाव आयोग की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार इन तीनों सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना सोमवार छह जुलाई को जारी की जाएगी. नामांकन पत्र 13 जुलाई तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच 14 जुलाई को की जाएगी.

अमेरिका ने इराक को भेजी डॉलर की नकद खेप

न्यूयॉर्क. अमेरिका ने कई महीनों की रोक के बाद इराक को डॉलर की नकद खेप भेजना आंशिक रूप से फिर से शुरू कर दिया है. इराक के प्रधानमंत्री के प्रवक्ता के हवाले से यह रिपोर्ट दी है. प्रधानमंत्री अली अल-जैदी के प्रवक्ता हैदर अल-अबूदी ने कहा, इराक को डॉलर की खेप भेजना दोबारा शुरू हो गया है और इस समस्या को सुलझा लिया गया है. इससे पहले, अमेरिकी हितों को लगातार नुकसान का हवाला देते हुए अमेरिका ने अप्रैल में सुरक्षा सहायता और तेल राजस्व से मिलने वाले नकद भुगतान पर रोक लगा दी थी.

नरोत्तम को चुनौती दे सकते हैं अनुज भारती

दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 2 जुलाई. प्रदेश की प्रतिष्ठित दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग ने कार्यक्रम घोषित कर दिया है. यहां होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए 6 जुलाई को अधिसूचना जारी होगी, वहीं 30 जुलाई को मतदान होगा, चुनाव परिणाम 3 अगस्त को घाषित होंगे.

इधर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित होते ही प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है.

सामान्य तौर पर विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवारों के नामों को लेकर काफी अटकलें लगती हैं, लेकिन इस बार ऐसी स्थिति बनने की संभावना नहीं है. मिले संकेतों के मुताबिक भाजपा की ओर से एक बार फिर प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा चुनाव मैदान में उतर सकते हैं. (शेष पेज 2 पर)

ऐसा रहेगा चुनावी कार्यक्रम

- 6 जुलाई - अधिसूचना जारी
- 13 जुलाई - नामांकन की अंतिम तिथि
- 14 जुलाई - नामांकन पत्रों की जांच
- 16 जुलाई - नाम वापस लेने की अंतिम तिथि
- 30 जुलाई - मतदान
- 3 अगस्त - मतगणना
- 4 अगस्त- चुनाव प्रक्रिया पूर्ण

देश के कई राज्यों में हो रही है जोरदार बारिश

24 घंटों के दौरान मुंबई में172 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई

15 फीट ऊंची लहरें आज उठने की बीएमसी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 02 जुलाई. देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून सक्रिय होने के साथ ही कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है. महाराष्ट्र , दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार वर्षा के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है.

मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों के लिए रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है. महाराष्ट्र में मानसून के सक्रिय होने के बाद मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों में भारी वर्षा दर्ज की गई है. मुंबई में पिछले 24 घंटों के दौरान 172 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई. बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने गुरुवार दोपहर समुद्र में लगभग 15 फीट ऊंची लहरें उठने की चेतावनी जारी करते हुए लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है. तेज बारिश के बीच साकीनाका क्षेत्र में एक व्यक्ति की खुले मैनहोल में गिरने से मृत्यु हो गई. चर्चगेट क्षेत्र में एक पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए, जबकि अंधेरी सब-वे में जलभराव के कारण यातायात प्रभावित हुआ. नवी मुंबई में जलभराव के दौरान करंट फैलने की घटना भी सामने आई, जिसकी चपेट में दो छात्राएं आ गईं.

रूसी मिसाइल-ड्रोन हमले में आठ लोगों की मौत

कीव, 02 जुलाई. यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई तथा 25 अन्य घायल हो गए.

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में कई आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया गया और बच्चों सहित बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं. हमले के बाद शहर के कई इलाकों को खाली कराया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि रूसी सेना ने एक बार फिर जानबूझकर रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाया है, जिससे भारी तबाही हुई है. कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है. अधिकारियों ने हमले में मृतकों ओर घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका जतायी है।यह हमला ऐसे समय हुआ जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कुछ घंटे पहले ही चेतावनी दी थी कि रूस बड़े पैमाने पर हमला करने की तैयारी कर रहा है. हमले के दौरान कीव में वायु रक्षा प्रणालियां सक्रिय रहीं.

फीफा के जश्न में चार लोगों की मौत

14 लाख लोग सड़कों पर उतर आये जीत के बाद

44 वर्षीय एक व्यक्ति की कैलिफोर्निया में भी मौत की सूचना है

मेक्सिको सिटी, 02 जुलाई. मेक्सिको की फीफा विश्व कप जीत के बाद राजधानी मेक्सिको सिटी में हुए जश्न के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गयी है. मेक्सिको सिटी के सार्वजनिक स्वास्थ्य सचिवालय ने बुधवार को यह जानकारी दी.

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मृतकों में 19 और 48 वर्ष की दो महिलाएं तथा 44 वर्षीय एक पुरुष शामिल हैं, जिनकी दम घुटने से मौत हुई. इसके अलावा 30 वर्षीय एक व्यक्ति, जिसे मिर्गी का दौरा पड़ने और रक्तस्राव के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसकी भी हृदय एवं श्वसन गति रुकने से मौत हो गयी. मेक्सिको सिटी की महापौर क्लारा ब्रुगाडा ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घटना की जांच में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है. उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेक्सिको सिटी सरकार और अपनी ओर से वह मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हैं. उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहेगा और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध करायी जाएगी. सरकार के अनुसार, फीफा विश्व कप में मंगलवार देर रात इक्वाडोर पर मेक्सिको की 2-0 की जीत के बाद लगभग 14 लाख लोग सड़कों पर उतर आये.

आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई

अयोध्या, 02 जुलाई. अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच में गुरुवार को महत्वपूर्ण गतिविधियां देखने को मिलीं. स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) दोपहर लगभग तीन बजे राम मंदिर परिसर पहुंची और मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच शुरू की. इससे पहले एसआईटी 15 से 20 जून के बीच भी मंदिर परिसर में जांच कर चुकी है.

दूसरी ओर अयोध्या पुलिस ने भी सुबह 11 बजे मंदिर पहुंचकर लगभग दो घंटे तक जांच की और उस स्थान का निरीक्षण किया, जहां मंदिर में प्राप्त चढ़ावे की गिनती की जाती है. जांच के समानांतर शहर में विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिला. सुबह 11.45 बजे 500 से अधिक अधिवक्ता सड़कों पर उतर आए और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा तथा पूर्व पदाधिकारी गोपाल राव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की. प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने सिविल लाइन चौकी पहुंचकर तीनों सहित चार लोगों के विरुद्ध शिकायत पत्र भी सौंपा.

मंथन अमित शाह के आवास पर बहुस्तरीय विमर्श

मंत्रिमंडल व संगठनात्मक विस्तार को लेकर चर्चा

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,02 जुलाई.केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और संगठन महामंत्री बीएल संतोष की मौजूदगी में मंत्रिमंडल विस्तार व संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर महामंथन किया गया है.

सूत्रों की माने तो लगभग ढाई घंटे तक चली इस बैठक के बाद यह तय हो गया है कि एक दो दिन के अंदर मंत्रिमंडल विस्तार और भाजपा अध्यक्ष की नई टीम की घोषणा हो जाएगी. सूत्र बता रहे हैं कि इस महा-मंथन का मुख्य एजेंडा केंद्रीय मंत्रिमंडल का संभावित विस्तार और पार्टी संगठन में खाली पड़े प्रमुख पदों को भरना है. हाल के दिनों में भाजपा के कई वरिष्ठ मंत्रियों और कद्दावर नेताओं को राज्यों में महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिससे केंद्र और संगठन दोनों जगह कई अहम पद खाली हैं. आज की बैठक में इन पदों पर नए और युवा चेहरों को मौका देकर मिशन 2029 और आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए जमीन तैयार करने का ब्लूप्रिंट फाइनल किया गया है. सूत्र बता रहे हैं कि इस बैठक में किसी वरिष्ठ नेता को उपप्रधानमंत्री नियुक्त करने के राजनीतिक फायदों को लेकर भी चर्चा हुई है क्योंकि पिछले कुछ दिनों से इस तरह की अटकलें लगाई जा रही है.बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार या अमित शाह व राजनाथ सिंह में से किसी को उप प्रधानमंत्री की कुर्सी देकर सरकारी कार्यों को और सुव्यवस्थित करने का फैसला हो (शेष पेज 2 पर)

> जानकार बता रहे हैं कि जब भी अमित शाह के नेतृत्व में इस तरह की बैठक होती है उसके बाद अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर बहुस्तरीय विमर्श के बारे में विस्तृत व समीक्षात्मक जानकारी देते हैं और उसके बाद प्रधानमंत्री अंतिम निर्णय कर लेते हैं. राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके तुरंत बाद सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर बड़े नीतिगत और ढांचागत बदलावों की सुगबुगाहट तेज हो गई है.

हाईकोर्ट ने वरिष्ठता आदेश निरस्त किए

जबलपुर. मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने 10 वर्ष बाद वरिष्ठता सूची में बदलाव कर मुख्य चयन सूची के अधिकारियों से ऊपर प्रतीक्षा सूची के अधिकारी को स्थान देने के शासन के आदेश निरस्त कर दिए. कोर्ट ने कहा कि जिन अधिकारियों के सेवा अधिकार प्रभावित होते हैं, उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बिना ऐसा निर्णय नहीं लिया जा सकता. अधिवक्ता अमित सिंह ने दलील दी कि यह मामला वर्ष 2008 की डिप्टी कलेक्टर भर्ती का है. याचिकाकर्ताओं कृष्ण कुमार रावत मुख्य महाप्रबंधक मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम भोपाल, महताब सिंह गुर्जर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीवा, नेहा भारतीय विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय य अकादमीए भोपाल, सुरभि तिवारीए उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल व अतेन्द्र सिंह गुर्जर अपर कलेक्टर जिला उज्जैन का चयन मुख्य सूची से हुआ था.

एआई से बने फर्जी फैसलों पर सुको सख्त

- बिना जांच एआई सामग्री पेश करना कदाचार
- दोषी वकीलों पर हो अनुशासनात्मक कार्रवाई

नई दिल्ली, 02 जुलाई. सुप्रीम कोर्ट ने अदालती कार्यवाही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से तैयार किए गए फर्जी और मनगढ़ंत न्यायिक फैसलों के इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे न्यायिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बताया है.

अदालत ने स्पष्ट किया कि बिना जांच-पड़ताल के एआई से तैयार सामग्री को कानूनी मिसाल के रूप में अदालत में पेश करना या उस पर भरोसा करना स्वीकार्य नहीं है. साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई के नियम निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है.जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने यह टिप्पणी एस्सेल इंफ्राप्रोजेक्ट्स से जुड़े दिवालियापन मामले की सुनवाई के दौरान की. मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेशों की समीक्षा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि एनसीएलटी ने अपने निर्णय में जिन न्यायिक मिसालों का उल्लेख किया था, उनमें कुछ फैसले वास्तविक रूप से अस्तित्व में ही नहीं थे, जबकि कुछ मामलों में वास्तविक फैसलों में मनगढ़ंत पैराग्राफ जोड़ दिए गए थे. पीठ ने कहा कि यदि कोई अधिवक्ता बिना सत्यापन किए ऐसे एआई जनित फर्जी फैसलों का हवाला देता है तो इसे पेशेवर कदाचार माना जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी न्यायिक आदेश का आधार फर्जी या मनगढ़ंत सामग्री बनती है, चाहे उसका हिस्सा सीमित ही क्यों न हो, तो ऐसे आदेश को कानून की दृष्टि में वैध नहीं माना जा सकता और उसे निरस्त किया जाना चाहिए.